भजन

ले चलो चरणों में प्रीतम,होके जुदा रहना नहीं
क्या करें माया ये जिसमें,प्यार तेरा है नहीं

1– कूदते थे इश्क में हम,माया ने वो भी छीना है
दे दो अपना इश्क प्रीतम,तुम तक पहुंचे तो सही

2– मेरे प्रीतम प्राणों के,तेरे अंग तेरे नूर हैं
नूर तेरा चाहिए,माया में दिल लगता नहीं

3– मेरे धनी तुम्हारी साहेबी,अपनी राखो आप तुम
इश्क दीजो आपना,अर्जी है तुमसे यहीं

4–वाणी ने सुध दी तुम्हारी,अपनी और निजधाम की
धाम की कर लें रवानी,खेल में रमना नहीं